

लोक सभा सचिवालय

प्रेस एवं जनसंपर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली

LOK SABHA SECRETARIAT

Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति

Press Release

PRESS RELEASE

LOK SABHA SPEAKER EXPRESSES ANGUISH ON PLANNED DISRUPTIONS IN THE HOUSE/लोक सभा अध्यक्ष ने सदन में नियोजित व्यवधानों पर क्षोभ व्यक्त किया

...

SHOUTING SLOGANS, DISPLAYING PLACARDS AND CONTINUOUS DEADLOCK ARE INSULTS TO PARLIAMENTARY DECORUM: LOK SABHA SPEAKER/नारेबाजी करने, तख्तियाँ दिखाने और निरंतर गतिरोध से संसदीय मर्यादा को ठेस पहुँचती है: लोक सभा अध्यक्ष

...

MEMBERS FROM ACROSS THE POLITICAL SPECTRUM WERE GIVEN ENOUGH OPPORTUNITIES TO SPEAK IN THE HOUSE, SERIOUS AND MEANINGFUL DISCUSSIONS SHOULD BE TAKEN FORWARD: LOK SABHA SPEAKER/सभी राजनीतिक दलों के सदस्यों को सदन में अपने विचार रखने के पर्याप्त अवसर दिए गए: लोक सभा अध्यक्ष

...

SPECIAL DISCUSSIONS ON 'OPERATION SINDOOR' AND THE ACHIEVEMENTS OF INDIA'S SPACE PROGRAMME TOOK PLACE IN THE HOUSE/सदन में 'ऑपरेशन सिन्दूर' और भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की उपलब्धियों पर विशेष चर्चा हुई

...

LANGUAGE OF MEMBERS SHOULD ALWAYS BE DIGNIFIED IN THE HOUSE AND PARLIAMENT PREMISES: LOK SABHA SPEAKER/सदन और संसद परिसर में सदस्यों की भाषा सदैव मर्यादित होनी चाहिए: लोक सभा अध्यक्ष

TOTAL NUMBER OF SITTING HOURS IN THE FIFTH SESSION OF 18TH LOK SABHA WAS 37 HOURS AGAINST ALLOTTED TIME OF 120 HOURS: LOK SABHA SPEAKER/18वीं लोक सभा के पाँचवें सत्र में बैठकों के लिए 120 घंटे आबंटित किए गए, परन्तु बैठकें 37 घंटे ही चलीं: लोक सभा अध्यक्ष

...

DUE TO DISRUPTIONS, ONLY 55 STARRED QUESTIONS COULD BE ANSWERED ORALLY AGAINST 419 LISTED: LOK SABHA

SPEAKER/व्यवधानों के कारण, सूचीबद्ध 419 तारांकित प्रश्नों में से केवल 55 तारांकित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दिए जा सके: लोक सभा अध्यक्ष

...
14 GOVERNMENT BILLS WERE INTRODUCED IN LOK SABHA AND 12 BILLS WERE PASSED DURING THE SESSION: LOK SABHA SPEAKER/सत्र के दौरान लोक सभा में 14 सरकारी विधेयक प्रस्तुत किए गए और 12 विधेयक पारित किए गए: लोक सभा अध्यक्ष

...
FIFTH SESSION OF EIGHTEENTH LOK SABHA ADJOURNED 'SINE DIE'/अठारहवीं लोक सभा का पाँचवाँ सत्र संपन्न हुआ

...
New Delhi, 21 August, 2025: The fifth session of the 18th Lok Sabha which commenced on 21 July, 2025 concluded today.

In his Valedictory Address on the concluding day of the session, Lok Sabha Speaker Shri Om Birla expressed anguish on continuous and planned disruptions in the house. Observing that sloganeering, displaying placards in the Lok Sabha or the parliament premises and planned disruptions harm the dignity of parliamentary proceedings, Shri Birla noted that the public has great expectations from the representatives and therefore, they should utilise their time in the House for serious and meaningful discussions on problems and issues of public interest and on important legislations.

The Speaker mentioned that during the session, he had given enough opportunities to the Members from across the political spectrum to speak in the House and to discuss on important legislations and issues of public interest. However, he lamented that continuous deadlock in the house was unfortunate. Serious and meaningful discussions should be taken forward while avoiding sloganeering and disruptions in the House, he stressed.

He said that kind of language and behavior witnessed in the Monsoon Session was not in keeping with the decorum of Parliament. He reminded the house that language of Members, both inside and outside the House, should always be restrained and dignified.* He urged the Members to make sure that their work and conduct should set an example for the nation and the world.

Shri Birla informed that 419 starred questions were listed in the agenda of the session, but due to planned disruptions, only 55 questions could be taken up for oral answer. Whereas all parties had decided at the beginning of the Session that the House would discuss and debate for 120 hours in this session and the Business Advisory Committee also agreed to this but due to continuous deadlock and planned disruptions, the House could barely work for 37 hours in this session, he added.

Shri Birla also informed that fourteen Government Bills were introduced and twelve Bills were passed, during the session.

Shri Birla informed that the discussion on 'Operation Sindoor', commenced on 28 July 2025 and concluded on 29 July 2025 with a reply from the Prime Minister. On 18 August, 2025, a special discussion was initiated on the achievements of India's space programme, Shri Birla informed.

नई दिल्ली, 21 अगस्त, 2025: 18वीं लोक सभा का पाँचवाँ सत्र, जो 21 जुलाई, 2025 को शुरू हुआ था, आज संपन्न हुआ।

सत्र के समापन दिवस पर लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने अपने समापन भाषण में सदन में निरंतर और नियोजित व्यवधानों पर क्षोभ व्यक्त किया। यह टिप्पणी करते हुए कि लोक सभा या संसद परिसर में नारेबाजी करने और तख्तियाँ दिखाने और नियोजित व्यवधान से संसदीय मर्यादा को ठेस पहुँचती है, श्री बिरला ने कहा कि लोगों को प्रतिनिधियों से बहुत उम्मीदें होती हैं, इसलिए उन्हें सदन में अपने समय का उपयोग जनहित की समस्याओं और मुद्दों को उठाने तथा महत्वपूर्ण विधेयकों पर गंभीर और सार्थक चर्चा के लिए करना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय ने इस बात का उल्लेख भी किया कि सत्र के दौरान सभी राजनीतिक दलों के सदस्यों को सदन में अपने विचार रखने और महत्वपूर्ण विधेयकों एवं जनहित के मुद्दों पर चर्चा करने के पर्याप्त अवसर दिए गए। इसके साथ ही उन्होंने क्षोभ व्यक्त करते हुए कहा कि सभा में होने वाले गतिरोध दुर्भाग्यपूर्ण थे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सदन में नारेबाजी और व्यवधान से बचते हुए गंभीर और सार्थक चर्चा को आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय ने यह भी कहा कि मानसून सत्र में जिस तरह की भाषा और व्यवहार देखा गया, वह संसद की मर्यादा के अनुरूप नहीं था। उन्होंने सदस्यों को याद दिलाया कि वे सदन के अंदर और बाहर अपनी भाषा को सदैव संयमित और मर्यादित बनाए रखें। उन्होंने सदस्यों से आग्रह किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनका कार्य और आचरण देश और दुनिया के लिए आदर्श स्थापित करें।

श्री बिरला ने बताया कि सत्र की कार्यसूची में 419 तारांकित प्रश्न सूचीबद्ध थे, लेकिन नियोजित व्यवधानों के कारण केवल 55 प्रश्नों के मौखिक उत्तर ही दिए जा सके। उन्होंने आगे कहा कि सत्र की शुरुआत में सभी दलों ने निर्णय लिया था कि इस सत्र में सदन में 120 घंटे चर्चा और वाद-विवाद होगा और कार्य मंत्रणा समिति भी इस पर सहमत थी, परंतु निरंतर गतिरोध और नियोजित व्यवधानों के कारण, इस सत्र में सदन में मुश्किल से 37 घंटे ही काम हुआ।

श्री बिरला ने यह भी बताया कि सत्र के दौरान चौदह सरकारी विधेयक प्रस्तुत किए गए और बारह विधेयक पारित किए गए।

श्री बिरला ने आगे बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा 28 जुलाई 2025 को शुरू हुई और 29 जुलाई 2025 को प्रधानमंत्री के उत्तर के साथ समाप्त हुई। श्री बिरला ने यह भी बताया कि 18 अगस्त, 2025 को भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की उपलब्धियों पर विशेष चर्चा की गई।